

राजस्थान-सरकार
कृषि आयुक्तालय पंत कृषि भवन, जनपथ, जयपुर

क्रमांक प-5() आ.कृ./एन.एम.ई.ओ-OS/फेंसिंग/2026-27/1237-1537 दिनांक:- 08/06/2026

1. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद समस्त
2. संयुक्त निदेशक कृषि (वि0) जिला परिषद समस्त
3. परियोजना निदेशक कृषि (वि0) सी.ए.डी.,कोटा
4. उपनिदेशक कृषि इ.गा.न.प., बीकानेर
5. सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) समस्त/जिला विस्तार अधिकारी सी.ए.डी. एवं आई.जी.एन.पी.

विषय:- वर्ष 2026-27 के लिए किसानों के खेतों पर तारबन्दी कार्यक्रम के प्रभावी आयोजन हेतु दिशा-निर्देश भिजवाये जाने बाबत।

नीलगाय, जंगली जानवरों व निराश्रित पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाव व रोकथाम के लिये किसानों के खेतों पर तारबन्दी, कार्यक्रम के प्रभावी आयोजन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश संलग्न कर भिजवाये जा रहे हैं।

तारबन्दी कार्यक्रम के आयोजन में दिशा-निर्देशों की कठोरता से पालना की जावे तथा प्रति सभी सम्बन्धित जनप्रतिनिधियों तथा विभाग के समस्त सहायक कृषि अधिकारी/कृषि पर्यवेक्षक को अपने स्तर से उपलब्ध कराने का श्रम करें। वर्ष 2026-27 के लिये जिलेवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य पृथक से भिजवाये जायेंगे।

संलग्न:-1. दिशा-निर्देश

(नरेश कुमार गोयल)

आयुक्त, कृषि

क्रमांक प-5() आ.कृ./एन.एम.ई.ओ-OS/फेंसिंग/2026-27/1237-1537 दिनांक:- 08/06/2026
प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. विशिष्ट सहायक, माननीय कृषि मंत्री महोदय, राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव, संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय, शासन सचिवालय, राज0 जयपुर।
3. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी शासन सचिवालय, राज0 जयपुर।
4. निजी सचिव, आयुक्त, कृषि राज0, जयपुर।
5. जिला कलेक्टर (समस्त).....।
6. उप शासन सचिव, कृषि (ग्रुप-1) विभाग, शासन सचिवालय, राज0 जयपुर।
7. अतिरिक्त निदेशक कृषि, विस्तार/आदान/अनु0, मुख्यालय, जयपुर।
8. निदेशक, समेति आत्मा, अकादमिक भवन, राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर।
9. संयुक्त निदेशक कृषि, (योजना/पौध संरक्षण/ज.उ.प्र./गुण नियन्त्रण/ए.टी.सी./एम.एण्ड ई/रसायन/ आदान/सांख्यिकी) को एरिया नोडल आफिसर के रूप में पर्यवेक्षण हेतु।
10. अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार/तिलहन) खण्ड
जयपुर/भरतपुर/श्रीगंगानगर/जोधपुर/कोटा/उदयपुर/
भीलवाडा/सीकर/जालौर/बीकानेर।
11. उप निदेशक कृषि, (विस्तार/प्रशिक्षण/अभियांत्रिकी/रसायन/सूचना), मुख्यालय, जयपुर।
12. उप निदेशक कृषि, (तकनीकी), प्रभारी राज किसान साथी पोर्टल मुख्यालय, जयपुर।
13. एसीपी मुख्यालय, जयपुर को दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

आयुक्त, कृषि
Signature valid

Digitally signed by Naresh Kumar Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.:
22618545
Me-Sign



तारबन्दी कार्यक्रम के विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2026-27

राज्य में कृषकों की फसलों को नीलगाय, जंगली जानवरों व निराश्रित पशुओं से होने वाले नुकसान से बचाव एवं रोकथाम के लिये तारबन्दी महत्वपूर्ण एवं उपयोगी कार्य है। तारबन्दी कार्यक्रम राज्य योजना/कृषक कल्याण कोष तथा नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-तिलहन(60:40) अन्तर्गत तारबन्दी हेतु वर्ष 2026-27 में क्रियान्वयन के लिए दिशा निर्देश निम्नानुसार जारी किये जाते हैं:-

1-अनुदान की पात्रता :-

- 1.1 इस योजना का लाभ सभी श्रेणी के कृषकों को दिया जायेगा।
- 1.2 व्यक्तिगत आवेदन में न्यूनतम 0.5 हैक्टेयर भूमि एक ही स्थान पर होना आवश्यक है।
- 1.3 एक कृषक समूह में न्यूनतम 2 कृषक व न्यूनतम 0.5 हैक्टेयर जमीन होना आवश्यक है व समूह की भूमि की सीमायें निर्धारित पेरिफेरी में हो।
- 1.4 सामुदायिक स्तर पर तारबन्दी में 07 या अधिक कृषकों के समूह में न्यूनतम 5 हैक्टर भूमि तथा समूह की भूमि की सीमायें निर्धारित पेरिफेरी में होना आवश्यक है।
- 1.5 व्यक्तिगत/समूह में प्रति कृषक 400 रनिंग मीटर की सीमा तक कृषक/समूह द्वारा निर्धारित स्पेशीफिकेशन के अनुसार तारबन्दी किये जाने पर अनुदान देय होगा एवं खेत की पेरिफेरी की लम्बाई 400 रनिंग मीटर से अधिक होने पर शेष दूरी में कृषक/कृषक समूह द्वारा स्वयं के स्तर पर खेत की सुरक्षा हेतु आवश्यक क्षेत्र में सम्पूर्ण रूप से कच्ची/पक्की दीवार अथवा स्वयं के स्तर पर तारबन्दी कर खेत को सुरक्षित सुनिश्चित करने/करने की घोषणा प्रस्तुत करने के उपरान्त ही अनुदान राशि कृषक को उपलब्ध कराई जायेगी।
- 1.6 सामुदायिक स्तर पर तारबन्दी करने में यदि किन्हीं कृषकों की भूमि परिधि (पेरिफेरी) पर नहीं होकर मध्य में आती है एवं कृषकों की आपसी सहमति हो तो सामुदायिक तारबन्दी में समूह के लिये कृषकों की संख्या में सम्मिलित की जा सकेगी किन्तु अनुदान की गणना परिधि वाले कृषकों की ही की जावेगी।
- 1.7 तारबन्दी के लिये समूह में आवेदक पति-पत्नी दोनों होने पर नियमानुसार दोनों ही अनुदान के लिये पात्र होंगे तथा व्यक्तिगत आवेदन की स्थिति में पति-पत्नी यदि अलग-अलग आवेदन करते हैं तथा दोनों के हिस्से में दिशानिर्देशानुसार निर्धारित कृषि भूमि है तो दोनों ही अलग-अलग अनुदान के लिये पात्र होंगे।
- 1.8 यदि किसी कृषक द्वारा एक स्थान/खसरा नं. पर 400 रनिंग मीटर से कम यथा 150, 200 इत्यादि रनिंग मीटर तक अनुदान प्राप्त किया है तो उक्त कृषक अन्य स्थान/खसरा नं. पर शेष रही दूरी पर अनुदान हेतु पात्र होंगे किन्तु प्रति कृषक अधिकतम 400 रनिंग मीटर की सीमा तक ही अनुदान देय होगा तथा पूर्व में जिस स्थान/खसरा पर अनुदान दिया गया है उस पर अनुदान देय नहीं होगा।
- 1.9 तारबन्दी कार्य स्वयं के संसाधनों या बैंक ऋण सहायता से करने पर अनुदान देय होगा।
- 1.10 तारबन्दी कार्य फसलों की नीलगाय, जंगली जानवरों व निराश्रित पशुओं से सुरक्षा की योजना होने के कारण किसी भी ट्रस्ट/सोसाइटी/स्कूल/कॉलेज/मंदिर/धार्मिक संस्थान आदि को योजनान्तर्गत लाभान्वित नहीं किया जावे।
- 1.11 राज्य सरकार के परिपत्र क्रमांक 3(2)राज-6/2007/पार्ट/5 दिनांक 12.09.2018 के बिन्दु संख्या 4 के अनुसार मंदिर भूमि हेतु परिपत्र दिनांक 13.11.2009 द्वारा निर्धारित पंजिका में वर्णित पुजारी मंदिर भूमि के संरक्षक के रूप में कृषि विभाग की योजनानुसार भूमि सीमा में पात्र होने पर बीज, गोबर, गोमूत्र आदि की नियमानुसार अनुदान प्राप्त करने के अधिकारी होने के कम

22618545

M e-Sign

Signature valid

Digitally signed by Naresh Kumar Goyal

Designation : Commissioner

Date: 2026.06.05 20:35:47 IST

Reason: Approved

- जमीन पर तारबन्दी** करने पर निर्धारित पंजिका में वर्णित पुजारी मंदिर भूमि के संरक्षक के रूप में अनुदान के लिये पात्र होंगे।
- 1.12 विभाग द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति जारी किये जाने के पश्चात कृषक द्वारा 60 दिवस में कार्य प्रारम्भ नहीं किया जाता है तो कृषक को एसएमएस के माध्यम से अन्तिम सूचना दी जायेगी तथा उसके 30 दिवस में कार्य पूर्ण नहीं करने पर प्रशासनिक स्वीकृति निरस्त मानी जायेगी ताकि वरीयता कम में आने वाले अगले कृषक की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा सके। विशेष परिस्थिति होने पर कृषि आयुक्तालय द्वारा कृषकों के हित में उक्त अवधि में शिथिलता प्रदान की जा सकेगी।
 - 1.13 राज्य के जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में राज्य सरकार के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त वनाधिकार पट्टे जिसमें कृषक की भूमि का स्थान, क्षेत्रफल, अक्षांश व देशान्तर अंकित है, ऐसे भूमि प्रदत्त कृषको को भी तारबन्दी योजना अंतर्गत लाभान्वित किया जावेगा।
 - 1.14 योजना अन्तर्गत निर्मित तारबन्दी में किसी प्रकार का विद्युत करन्ट प्रवाहित नहीं किया जायेगा ताकि जनधन/पशुधन को होने वाली हानि से बचाया जा सके।
 - 1.15 सामुदायिक स्तर पर तारबन्दी आवेदन में न्यूनतम 07 कृषक एवं न्यूनतम 5 हैक्टेयर भूमि होने पर कृषको को सामुदायिक तारबन्दी का लाभ दिये जाने का प्रावधान है, यदि 07 या अधिक कृषको के समूह में न्यूनतम 5 हैक्टेयर भूमि में तारबन्दी हेतु आवेदन किया जाता है तो कृषक समूह को स्वतः ही सामुदायिक तारबन्दी में सम्मिलित किया जावेगा तथा सामुदायिक आवेदन में डॉक्युमेंट स्कुटनी में खसरा नंबर से जांच करने पर निर्धारित पेरीफेरी में भूमि का क्षेत्रफल 5 हैक्टेयर से कम पाया जाता है, तो ऐसी स्थिति में सामुदायिक के स्थान पर समूह में सम्मिलित किया जावेगा।
 - 1.16 तारबन्दी हेतु समूह में आवेदन किये जाने पर यदि कोई कृषक (सदस्य) स्वेच्छापूर्वक हटना चाहे एवं शेष रहे अन्य सदस्यो द्वारा योजना दिशा-निर्देशानुसार पात्रता पूर्ण करने पर समूह में से उस सदस्य को हटाकर शेष रहे कृषको को लाभ दिया जाएगा।
 - 1.17 कृषक द्वारा 2 से 3 फीट तक परकोटा (ईट व पत्थर) की दीवार बनाकर निर्धारित मापदण्डानुसार तारबन्दी की जाती है तो विभाग द्वारा निर्धारित ईकाई लागत के आधार पर निर्धारित श्रेणी अनुसार कृषकों को अनुदान उपलब्ध करवाया जा सकता है।

2-अनुदान सीमा: -

व्यक्तिगत लाभार्थी अनुदान:-

- 2.1 तारबन्दी हेतु व्यक्तिगत (Individual) किसान को न्यूनतम क्षेत्रफल 0.5 हैक्टेयर कृषि भूमि होने पर अधिकतम 400 रनिंग मीटर तक (परिधि हेतु) ईकाई लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रुपये 40000/- जो भी कम हो, प्रति कृषक अनुदान देय होगा (400 रनिंग मीटर से कम होने पर Prorata basis पर अनुदान देय है) पेरीफेरी की लम्बाई 400 रनिंग मीटर से अधिक होने पर शेष दूरी में तारबन्दी का व्यय कृषक द्वारा स्वयं के स्तर पर वहन किया जावेगा।
- 2.2 व्यक्तिगत लाभार्थी कृषक लघु/सीमान्त श्रेणी होने पर अधिकतम 400 रनिंग मीटर तक (परिधि हेतु) ईकाई लागत का 60 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रुपये 48000/- जो भी कम हो, प्रति कृषक अनुदान देय होगा। (400 रनिंग मीटर से कम होने पर Prorata basis पर अनुदान देय है।) पेरीफेरी की लम्बाई 400 रनिंग मीटर से अधिक होने पर शेष दूरी में तारबन्दी का व्यय कृषक द्वारा स्वयं के स्तर पर वहन किया जावेगा। लघु/सीमान्त श्रेणी कृषकों को अनुदान उपलब्ध करवाया जा सकता है।

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

Signature valid
Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation: Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

अनुदान अथवा अधिकतम 8000 रुपये (जो भी कम हो) राज्य योजना से ही देय होगा।

समूह में अनुदान:-

- 2.3 समूह में तारबन्दी करने वाले सभी श्रेणी के कृषकों हेतु पेरिफेरी के (परिधि) कृषकों के लिए **दो या दो से अधिक** कृषकों के एक समूह के लिए न्यूनतम 0.5 हैक्टेयर कृषि भूमि होने पर ईकाई लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रुपये 40000/- जो भी कम हो, प्रति कृषक अधिकतम 400 रनिंग मीटर तक अनुदान देय होगा। (400 रनिंग मीटर से कम होने पर **Prorata basis** पर अनुदान देय है) पेरिफेरी की लम्बाई प्रति कृषक 400 रनिंग मीटर से अधिक होने पर शेष दूरी में तारबन्दी का व्यय कृषक द्वारा स्वयं के स्तर पर वहन किया जावेगा।
- 2.4 कृषक समूह में **लघु/सीमान्त** श्रेणी के कृषक सम्मिलित है तो अधिकतम 400 रनिंग मीटर तक (परिधि हेतु) ईकाई लागत का 60 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रुपये 48000/- जो भी कम हो, प्रति कृषक अनुदान देय होगा। (400 रनिंग मीटर से कम होने पर **Prorata basis** पर अनुदान देय है) पेरिफेरी की लम्बाई प्रति कृषक 400 रनिंग मीटर से अधिक होने पर शेष दूरी में तारबन्दी का व्यय कृषक द्वारा स्वयं के स्तर पर वहन किया जावेगा। लघु/सीमान्त श्रेणी कृषकों को **अतिरिक्त 10 प्रतिशत अनुदान अथवा अधिकतम 8000 रुपये प्रति कृषक (जो भी कम हो)** राज्य योजना से ही देय होगा।

सामुदायिक तारबन्दी में अनुदान:-

- 2.5 सामुदायिक आधार पर तारबन्दी करने वाले सभी श्रेणी के कृषकों हेतु पेरिफेरी (परिधि) के कृषकों के लिए **न्यूनतम 07** कृषकों के एक समूह के लिए **न्यूनतम 5.0 हैक्टेयर** कृषि भूमि होने पर ईकाई लागत का 70 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रुपये 56000/- जो भी कम हो, प्रति कृषक अधिकतम 400 रनिंग मीटर तक अनुदान देय होगा। (400 रनिंग मीटर से कम होने पर **Prorata basis** पर अनुदान देय है) पेरिफेरी की लम्बाई प्रति कृषक 400 रनिंग मीटर से अधिक होने पर शेष दूरी में तारबन्दी का व्यय कृषक द्वारा स्वयं के स्तर पर वहन किया जावेगा। सामुदायिक तारबन्दी के कृषकों को अनुदान राज्य योजना से ही देय होगा।

वन अधिकार अधिनियम (FRA) पट्टा धारक कृषक को तारबन्दी पर अनुदान:-

- 2.6 वन अधिकार अधिनियम (FRA) के अन्तर्गत पट्टा धारक कृषकों जिनके पास 0.5 हैक्टेयर कृषि योग्य भूमि का पट्टा हो, अधिकतम 400 रनिंग मीटर तक (परिधि हेतु) ईकाई लागत का 90 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रुपये 72000/- जो भी कम हो, प्रति कृषक अनुदान देय होगा (400 रनिंग मीटर से कम होने पर **Prorata basis** पर अनुदान देय है) पेरिफेरी की लम्बाई 400 मीटर से अधिक होने पर शेष दूरी में तारबन्दी का व्यय कृषक द्वारा स्वयं के स्तर पर वहन किया जावेगा। वन अधिकार अधिनियम (FRA) पट्टा धारक कृषक को अनुदान केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं से ही देय होगा।

Signature valid

Digitally signed by Narish Kumar Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

3-अनुदान हेतु आवश्यक दस्तावेज:-

- 3.1 कृषक को अनुदान हेतु जनआधार कार्ड संख्या देना अनिवार्य होगा।
- 3.2 आवेदन पत्र के साथ नवीनतम जमाबन्दी की नकल जो कि छः माह से अधिक पुरानी न हो/राजस्व विभाग द्वारा प्रदत्त स्वामित्व की पासबुक की प्रमाणित छाया प्रति संलग्न करनी होगी।
- 3.3 राज्य के जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में राज्य सरकार के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त वनाधिकार पट्टे जिसमें कृषक की भूमि का स्थान, क्षेत्रफल, अक्षांश व देशान्तर अंकित है ऐसे भूमि प्रदत्त कृषको को तारबन्दी योजना अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र के साथ वनाधिकार पट्टे की छायाप्रति संलग्न करनी होगी।
- 3.4 कृषक के स्वयं के नाम से भू-स्वामित्व नहीं होने की स्थिति में अर्थात् कृषक के पिता के जीवित होने एवं परिवार से अलग रहने अथवा मृत्यु पश्चात् नामान्तरण के अभाव में यदि आवेदक कृषक स्वयं के पक्ष में राजस्व विभाग द्वारा सक्षम स्तर से भू-स्वामित्व में नोशनल शेयर धारक का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है तो ऐसे कृषक को भी अनुदान हेतु पात्र माना जायेगा।
- 3.5 जिन कृषकों के जनआधार पर लघु एवं सीमान्त कृषक श्रेणी में पंजीयन (सिडिंग) है उनको ही लघु एवं सीमान्त कृषक मानते हुए अनुदान के लिये पात्र समझा जावे। यदि जनाधार में लघु/सीमान्त कृषक के पंजीयन की सुविधा नहीं हो तो ऐसी स्थिति में कृषकों को आवेदन के समय सक्षम स्तर से जारी लघु/सीमान्त का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
- 3.6 जन-आधार में लघु/सीमान्त श्रेणी पंजीयन होने के बावजूद कृषक द्वारा संलग्न जमाबन्दी के दस्तावेजों में कृषक के हिस्से में भूमि अधिक होने की स्थिति में कृषक सामान्य श्रेणी में अनुदान के लिये पात्र समझा जावे।
- 3.7 तारबन्दी करने पर व्यय हुई राशि के बिल जिसमें कांटेदार तार/चैनलिंग /वर्गाकार जाली (नोड फैन्सिंग) का GST बिल अनिवार्य होगा।

4-आवेदन प्रक्रिया:-

- 4.1 तारबन्दी हेतु कृषक नजदीकी ई मित्र पर जाकर अथवा स्वयं के स्तर पर राजकिसान साथी पोर्टल पर जनाधार के माध्यम से आवेदन कर सकेगा।
ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेगे।
- 4.2 व्यक्तिगत (Individual) कृषक/कृषक समूह/सामुदायिक तारबन्दी में सामूहिक रूप से अथवा समूहों में से एक कृषक सभी दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकेगे।
- 4.3 समूह में आवेदन करने वाले कृषकों की संख्या न्यूनतम 07 एवं कृषि भूमि न्यूनतम 5 हैक्टर होने पर उक्त समूह स्वतः ही सामुदायिक तारबन्दी हेतु पात्र माना जावेगा।
- 4.4 तारबन्दी हेतु जिन कृषकों द्वारा पूर्व में समूह में आवेदन किया गया है किन्तु अब वे सामुदायिक श्रेणी में तारबन्दी करना चाहते हैं तो उक्त कृषकों द्वारा सम्बन्धित सहायक निदेशक कृषि (वि०) को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आवेदन को रिवर्ट कराकर समूह में सामुदायिक श्रेणी की पात्रता अनुसार संशोधन कर सकेंगे।
- 4.5 आवेदन पत्र को ऑन-लाईन ई-प्रपत्र (e-Form) में भरा जावेगा एवं आवश्यक दस्तावेज को स्कैन कर अपलोड (scan & upload) करेगा तथा ई-प्रपत्र (E-Form) में शपथ/सहमति प्रदान करेगा।
- 4.6 कियोस्ककर्ता आवेदक को आवेदन पत्र की प्राप्ति रसीद ऑन-लाईन ही प्राप्त कर सकेगा।

22618545

M e-Sign

Signature valid

Digitally signed by Manish Kumar Goyal

Designation: Commissioner

Date: 2026.06.05 20:35:47 IST

Reason: Approved

- 4.7 आवेदन पत्र की ऑनलाईन स्कूटनी के समय आवेदन में कोई कमी पाये जाने पर आवेदक को आधार से जुड़े मोबाईल पर एसएमएस प्राप्त होगा जिस पर आवेदक को 15 दिवस में कमी की पूर्ति करनी होगी अन्यथा 15 दिवस के बाद आवेदन स्वतः ही निरस्त हो जायेगा।
- 4.8 आवेदनकर्ता आवेदन के पश्चात राजकिसान सुविधा मोबाईल एप अथवा राजकिसान साथी पोर्टल पर आवेदन की स्थिति/प्रगति की जानकारी ऑनलाईन प्राप्त कर सकेगा।
- 4.9 संबंधित कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच (Scrutiny) संबंधित आवश्यक कार्यवाही करनी होगी एवं समय-समय पर राजकिसान साथी पोर्टल में अंकित प्रक्रिया अनुसार आवेदनों की वस्तुस्थिति (status) को अद्यतन (update) करना होगा।
- 4.10 इन सेवाओं से संबंधित वस्तु-स्थिति (status) एवं आदेश/प्रमाणपत्र/मंजूरी इत्यादि आवेदकों को ऑन-लाइन/एस एम एस द्वारा उपलब्ध करवायी जायेगी जिसे आवेदकों द्वारा कियोस्क या स्वयं के माध्यम से मुद्रण (print-out) प्राप्त किया जा सकता है।

5-विभागीय मापदण्ड एवं प्रक्रिया विवरण:-

- 5.1 तारबंदी कार्यक्रम के जिलेवार एवं श्रेणीवार लक्ष्य संबंधित जिले के संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार/परियोजना निदेशक कृषि (वि0) कोटा/उपनिदेशक कृषि आईजीएनपी बीकानेर को आवंटित किये जायेंगे संबंधित जिला अधिकारी उक्त लक्ष्य सहायक निदेशक कृषि विस्तार एवं जिला विस्तार अधिकारी को आवंटित करेंगे।
- 5.2 कृषि आयुक्तालय से जिले को आवंटित निर्धारित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों में वर्ष 2025-26 की लम्बित देनदारियों को कम करते हुए ही वर्ष 2026-27 के लिए शेष भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण उप जिला स्तर पर करते हुए कार्यक्रम का क्रियान्वयन करें।
- 5.3 संयुक्त निदेशक कृषि/सहायक निदेशक (विस्तार)/जिला विस्तार अधिकारी अपने कार्य क्षेत्र में राज किसान साथी पोर्टल पर आवेदन करने के लिए किसानों को प्रिन्ट/इलेक्ट्रॉनिक मिडिया/प्रशिक्षण के माध्यम से जागरूक करेंगे।
- 5.4 तारबंदी के इच्छुक कृषक सभी दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रक्रिया अनुसार आवेदन करेंगे, इस हेतु व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जायेगा।
- 5.5 कृषि विभाग द्वारा अनुदान दिये जाने के उपरान्त तारबन्दी का रख रखाव व मरम्मत कार्य की समस्त जिम्मेदारी स्वयं कृषक की होगी।
- 5.6 आवेदन पत्र प्राप्त होने के पश्चात संबंधित कार्यालयों के अधिकारियों द्वारा Online Scrutiny की कार्यवाही की जावेगी। ऑनलाईन आवेदन प्राप्त होने पर कार्यालय स्तर पर आवेदन पत्रों के सभी बिन्दुओं व दिये गये प्रमाण पत्रों और दस्तावेजों के आधार पर "पहले आओ-पहले पाओ के आधार" पर ही आवेदनों का निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करावे।
- 5.7 वर्ष 2025-26 में जारी प्रशासनिक स्वीकृतियों के विरुद्ध वित्तीय स्वीकृति जारी नहीं की गयी है या वित्तीय स्वीकृति जारी होने के पश्चात किसी भी कारण से यदि कृषक को भुगतान नहीं हुआ है तो बजट उपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता से ऐसे प्रकरणों को निस्तारित करावें।
- 5.8 यदि अपवाद स्वरूप जनाधार में कृषक की श्रेणी लघु, माध्यम या बड़े किसानों में से किसी एक में परिवर्तित हो गई है तो ऐसे मामलों में परीक्षण कर लिया जावे।

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

Signature valid
Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

- 5.9 महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत कृषि विभाग द्वारा अभिसरण अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन के समबन्ध में कृषि आयुक्तालय द्वारा जारी पत्र क्रमांक प8(5)आ.कृ./ज.उ.प्र./मनरेगा/2020-21/1084-1207 दि. 28.01.2021 के अनुसार दिशानिर्देशों का पालन किया जाकर कार्य पूर्ण कराये जावें। दिशा निर्देश की प्रति विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।
- 5.10 तारबन्दी कार्य के प्रीवेरीफिकेशन के दौरान सम्बन्धित कार्मिक द्वारा बिन्दु संख्या 1.8 के कम में यह सत्यापित किया जावेगा कि कृषक द्वारा पूर्व में इस स्थान/खसरा नं. पर अनुदान प्राप्त नहीं किया है तथा पूर्व में अनुदान पर स्थापित तारबन्दी के रनिंग मीटर 400 मीटर के प्रावधान में से घटाकर शेष रनिंग मीटर का विवरण अंकित किया जायेगा।
- 5.11 तारबन्दी कार्य से पूर्व व कार्य पूर्ण होने पर जियो टेगिंग कर कृषक खेत का नक्शा मय खसरा संख्या आदि भी अंकित करेंगे इसकी समस्त जिम्मेदारी सम्बन्धित सहायक निदेशक कृषि (विस्तार)/जिला विस्तार अधिकारी की होगी।
- 5.12 तारबन्दी योजनान्तर्गत आवंटित लक्ष्यों से अधिक तारबन्दी के भुगतान हेतु विभाग बाध्य नहीं है।
- 5.13 तारबन्दी योजनान्तर्गत आवेदन प्राप्त होने के पश्चात प्राथमिकता सूची में कृषक का चयन होने पर प्रशासनिक स्वीकृति जारी होने से पूर्व यदि आवेदक कृषक की मृत्यु हो जाती है तो ऐसी स्थिति में मृतक के विधिक उत्तराधिकारियों द्वारा उक्त जमीन/मुरब्बा/खसरा/चक/किला के संबंध में मृतक के स्थान पर वारिसों को प्रतिस्थापित करने हेतु वारिसों के नामान्तरण/जमाबन्दी की प्रति सहित पत्र लिया जाकर अन्य शेष वारिसों की सहमति के आधार पर किसी भी एक या एक से अधिक वारिसों के नाम संयुक्त रूप से प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जाकर अग्रिम कार्यवाही की जा सकती है।
- 5.14 तारबन्दी योजनान्तर्गत प्रशासनिक स्वीकृति उपरांत कृषक की मृत्यु हो जाती है तो अनुदान की राशि का भुगतान कृषक के कानूनन वारिसों को राज किसान साथी पोर्टल में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार आपसी सहमति के आधार पर किया जायेगा।

6-प्रशासनिक स्वीकृति

- 6.1 पात्र कृषक का फील्ड स्तरीय निरीक्षण संबंधित सहायक कृषि अधिकारी/कृषि पर्यवेक्षक द्वारा निर्धारित अवधि में पूर्ण कर पत्रावली संबंधित कार्यालय में अग्रेषित करेगा।
- 6.2 अधिक से अधिक कृषकों को लाभान्वित करने के मध्यनजर खेतों की वस्तुस्थिति के आधार पर सही प्रकार से पेरिफेरी(Shortest Possible Peripheri) का निर्धारण प्रीवेरीफिकेशन के समय सहायक कृषि अधिकारी/कृषि पर्यवेक्षक द्वारा किया जावेगा।
- 6.3 कृषक द्वारा तारबन्दी करते समय खेत की वस्तुस्थिति के आधार पर सही प्रकार से ले-आउट बनाकर अत्यावश्यक साइड में प्राथमिकता के आधार पर तारबन्दी करवायी जावे। किसी कृषक द्वारा खेत की उस साइड में जिस साइड में पूर्व में किसी दूसरे कृषक द्वारा विभागीय अनुदान प्राप्त कर अथवा स्वयं के द्वारा तारबन्दी की गई है पर पुनः तारबन्दी नहीं करायी जावे। पेरिफेरी के कृषकों द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि तारबन्दी का सही प्रकार से उपयोग हो रहा है।
- 6.4 सहायक निदेशक कृषि (विस्तार)/जिला विस्तार अधिकारी/जिला आयुक्त कृषि/पात्र आवेदकों की तारबन्दी की ऑन-लाइन पत्रावलियों

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

Signature valid
Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

पोर्टल पर निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य कराये जाने हेतु "प्रशासनिक स्वीकृति" जारी करेगा।

- 6.5 कार्यालय द्वारा जारी "प्रशासनिक स्वीकृति" राजकिसान साथी पोर्टल एवं राजकिसान सुविधा एप के साथ-साथ संबंधित कृषक को क्षेत्रीय सहायक कृषि अधिकारी/कृषि पर्यवेक्षक द्वारा हस्तगत कराया जावेगा जिससे कृषक कार्य प्रारम्भ कर सके यहाँ यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि परिधि (पेरीफेरी) के समस्त चयनित कृषकों को यथासम्भव यह दस्तावेज एक साथ उपलब्ध कराया जावे।
- 6.6 प्रशासनिक स्वीकृति जारी करने के उपरान्त निर्धारित पेरीफेरी में यथासंभव कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

7-भौतिक सत्यापन

- 7.1 कृषक द्वारा तारबन्दी कार्य पूर्ण करने के उपरान्त राजकिसान सुविधा एप अथवा कृषि पर्यवेक्षक/सहायक कृषि अधिकारी को कार्य पूर्ण होने की सूचना दी जायेगी ताकि भौतिक सत्यापन किया जा सके।
- 7.2 कृषक द्वारा कार्य पूर्ण किये जाने के उपरान्त भौतिक सत्यापन सहायक निदेशक कृषि (विस्तार)/जिला विस्तार अधिकारी/कृषि अधिकारी/सहायक कृषि अधिकारी/कृषि पर्यवेक्षक में किसी एक अधिकारी/कार्मिक द्वारा किया जावेगा। भौतिक सत्यापन के दौरान कृषक/कृषक समूह/सामुदायिक तारबन्दी कृषकों की उपस्थिति में ही किया जा सकेगा। भौतिक सत्यापन तारबन्दी कार्य पूर्ण होने के 10 दिवस में करना आवश्यक होगा। ऐसा नहीं करने की स्थिति में सम्बन्धित सहायक निदेशक कृषि (विस्तार)/जिला विस्तार अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी।
- 7.3 भौतिक सत्यापन का वास्तविक उद्देश्य यह सत्यापित करना है कि लाभार्थी द्वारा वास्तव में तारबन्दी स्थापित कर ली गई है तथा कृषक अनुदान का पात्र है। अतः भौतिक सत्यापन उद्देश्यपरक होना चाहिए न कि प्रक्रियात्मक।
- 7.4 भौतिक सत्यापन के समय तारबन्दी कार्य विभागीय मापदण्ड के अनुरूप नहीं है तो इसकी सूचना आवेदनकर्ता कृषक/कृषक समूह/सामुदायिक तारबन्दी कृषकों को मय मापदण्ड के कारण सहित हस्तगत कराई जावेगी। **तारबन्दी में कांटेदार तार/चैनलिंग /वर्गाकार जाली (नोड फैन्सिंग) का GST बिल अनिवार्य होगा।**
- 7.5 कृषक द्वारा तारबन्दी कार्य पूर्ण किये जाने के उपरान्त निर्मित संरचना पर/के नजदीक लोहे के बोर्ड पर निम्नानुसार विवरण:-
- (अ) कृषि विभाग द्वारा अनुदान सहायता से निर्मित - तारबन्दी
- (ब) नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल एण्ड -तिलहन/कृषक कल्याण कोष तथा राज्य योजना वर्ष 2026-27 (जो लागू हो)
- (स) भौतिक सत्यापन कर्ता अधिकारी का नाम.....व दूरभाष सं.....लाभान्वित कृषक श्री पुत्र श्री दूरभाष सं.....ग्राम पंचायत समिति जिला
- (द) स्वीकृत अनुदान राशि रुपये अंकित किया जाना आवश्यक है।

8-वित्तीय स्वीकृति

- 8.1 संबंधित संयुक्त निदेशक कृषि (वि0) जिला परिषद कार्यालय नियमानुसार तारबन्दी के भुगतान हेतु वित्तीय स्वीकृति जारी करेंगे। तारबन्दी के भौतिक सत्यापन उपरान्त 7 दिवस में वित्तीय स्वीकृति जारी कर कृषकों को अनुदान राशि का एकपुस्त भुगतान कृषक के बैंक खाते में सीधे स्थानान्तरित (DBT) किया जावेगा।

Signature valid

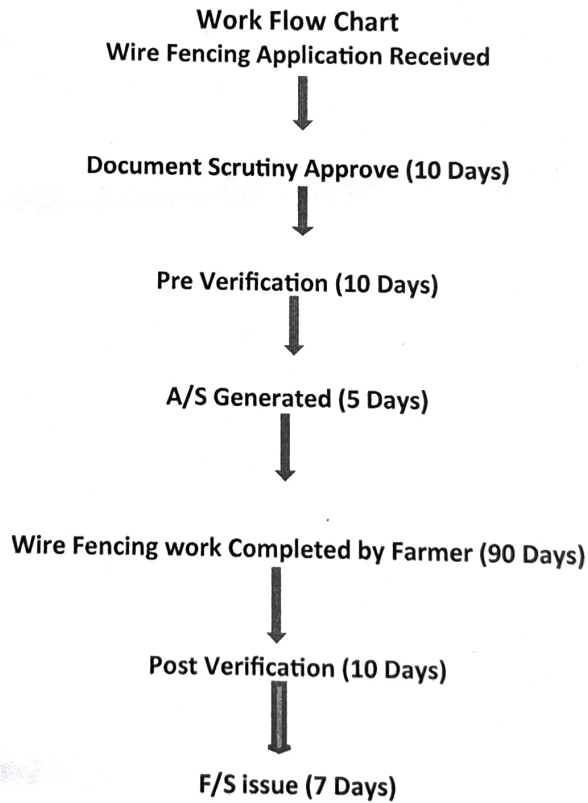
Digitally signed by Narish Kumar Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

- 8.2 प्रशासनिक स्वीकृति जारी होने के उपरान्त की गई तारबंदी पर ही अनुदान देय होगा। पूर्व में की गई तारबंदी पर कोई अनुदान देय नहीं होगा।
- 8.3 खण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि समय-समय पर तारबंदी की संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद से समीक्षा कर जिले को आवंटित लक्ष्य समय पर पूर्ण करवाते हुए भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रगति रिपोर्ट संकलित कर कृषि आयुक्तालय को भिजवाया जाना सुनिश्चित करेंगे।
- 8.4 जिला स्तर/उप जिला स्तर पर आवेदित एवं लाभान्वित कृषकों के समस्त रिकार्ड का संधारण किया जावेगा।

9-निरीक्षण

- 9.1 अतिरिक्त निदेशक कृषि (वि.) खण्ड द्वारा 2 प्रतिशत, संयुक्त निदेशक कृषि (वि.) द्वारा 5 प्रतिशत, संबंधित सहायक निदेशक कृषि (वि.) द्वारा 10 प्रतिशत तथा कृषि अधिकारी द्वारा 30 प्रतिशत निरीक्षण किया जावेगा।
- 9.2 खण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि समय-समय पर तारबंदी की संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद से समीक्षा कर जिले को आवंटित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करेंगे।
- 9.3 तारबन्दी कार्यक्रम के अन्तर्गत किसी भी प्रकरण में आयुक्त कृषि जयपुर का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।



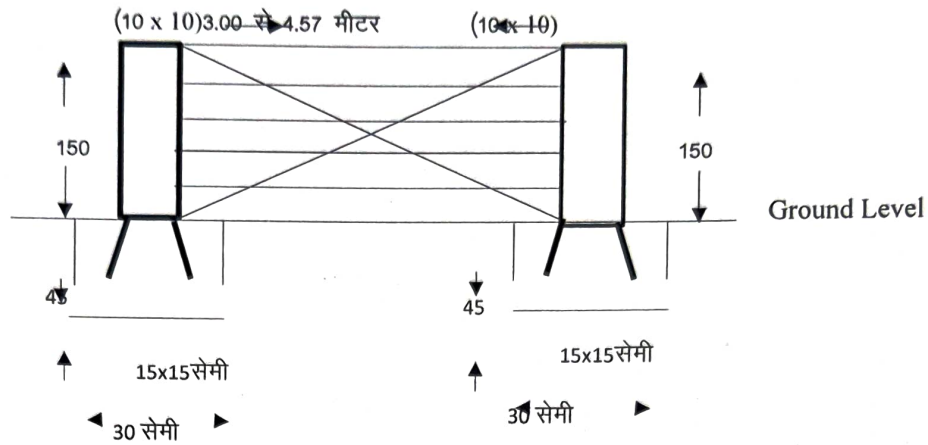
तारबन्दी करने के मापदंड:-

कांटेदार तार:- इसमें कम से कम 150 से.मी. ऊँचाई की कांटेदार तारों की बाड़बन्दी का कार्य, अधिकतम 15 फीट की दूरी पर लोहे के एंगल भूमि में 30 X 30 X 45 से.मी. सीमेन्ट का 1:3 रसद स्थापित करना व प्रिकास्ट सीमेन्ट कंक्रीट पिलर/पत्थर की पट्टियों के लिये फाउन्डेशन अर्थात् गड्ढा नहीं है, यद्यपि कृषक चाहे तो मजबूती की दृष्टि से फाउन्डेशन कर सकेंगे। प्रिकास्ट सीमेन्ट का 1:3 रसद

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

Signature valid
Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

पिलर का आकार ऊपर से 10 x 10 सेमी एवं नीचे से 15 x 15 सेमी, प्रत्येक 15 वें पिलर एवं कोने के पिलर को इसी आकार के अतिरिक्त पिलर से मजबूत करना। दो पिलरों के बीच 5 लाईन में होरिजोन्टल एवं 2 डाइगोनल कांटेदार तारों को मजबूती से बांधना मय मिट्टी खुदाई, पानी देने आदि का पूर्ण कार्य किया जायेगा।



चेनलिंग फेन्सिंग: —चेनलिंग फेन्सिंग को अधिकतम 15 फीट की दूरी पर भूमि में 30 x 30 x 45 सेमी, लोहे के एंगल 50 x 50 x 6 mm को सीमेन्ट कंक्रीट 1 : 3 : 6 में स्थापित किया जायेगा तथा उचित आकार के प्रिकास्ट सीमेन्ट कंक्रीट पिलर या पत्थर की पट्टियां बिना फाउन्डेशन के सम्मिलित है। इसको स्थापित करने की डिजाइन निम्नानुसार रखी जावें।

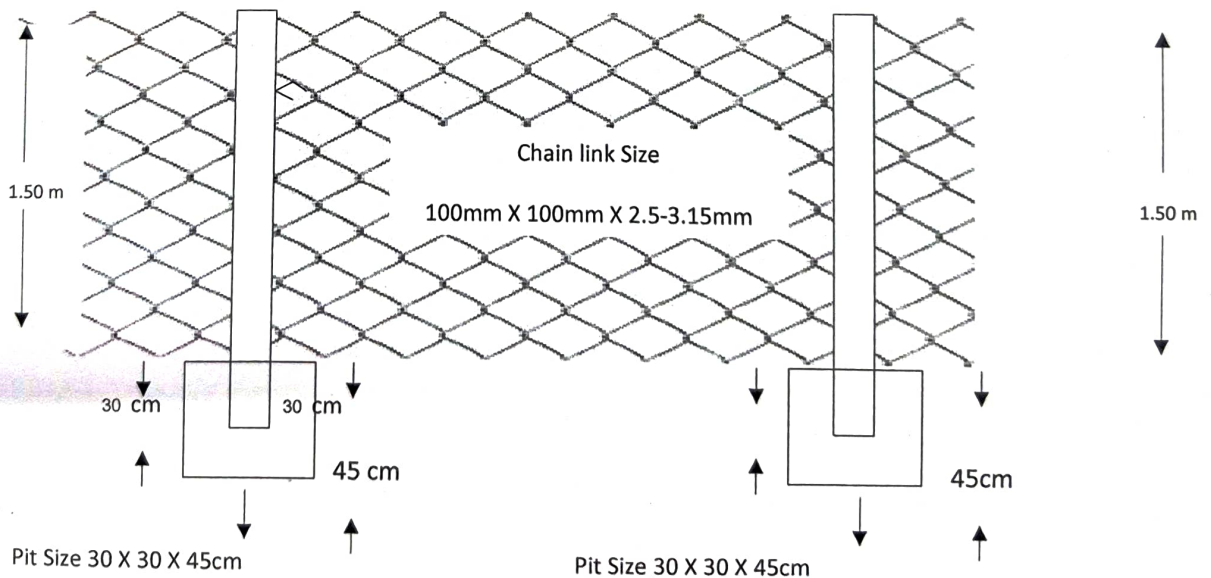
Angle iron post



50 mm X 50mm X 6mm

Length- 1.8 mtr. – (1.50 mtr. above ground +0.30 mtr. embedded in ground)

3.0 to 4.57 meter



Signature valid

Digitally signed by Narish Kumar Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

वर्गाकार नोडफेन्सिंग: :-इसमें कम से कम 150 से.मी. ऊँचाई की वर्गाकार (नोड फेन्सिंग गैल्वेनाइज्ड) की बाड़बन्दी का कार्य, अधिकतम 15 फीट की दूरी पर लोहे के एंगल भूमि में 30 X 30 X 45 सेमी, सीमेन्ट कंक्रीट 1:3:6 में स्थापित करना व प्रीकास्ट सीमेन्ट कंक्रीट पिलर/पत्थर की पट्टियों के लिये फाउन्डेशन अनिवार्य नहीं है यद्यपि कृषक चाहे तो मजबूती की दृष्टि से फाउन्डेशन कर सकेंगे। प्रीकास्ट सीमेन्ट कंक्रीट पिलर का आकार ऊपर से 10 X 10 सेमी एवं नीचे से 15 X 15 सेमी, प्रत्येक 15 वें पिलर एवं कोने के पिलर को इसी आकार के अतिरिक्त पिलर से मजबूत करना। **गैल्वेनाइज्ड** वर्गाकार नोड फेन्सिंग का आकार मजबूती की दृष्टि से 50-100mm X 50-100mm X 2.1-2.5mm होना चाहिए। नोड फेन्सिंग के उपयोग में कृषक तारबन्दी की मजबूती की सुनिश्चितता करेंगे।

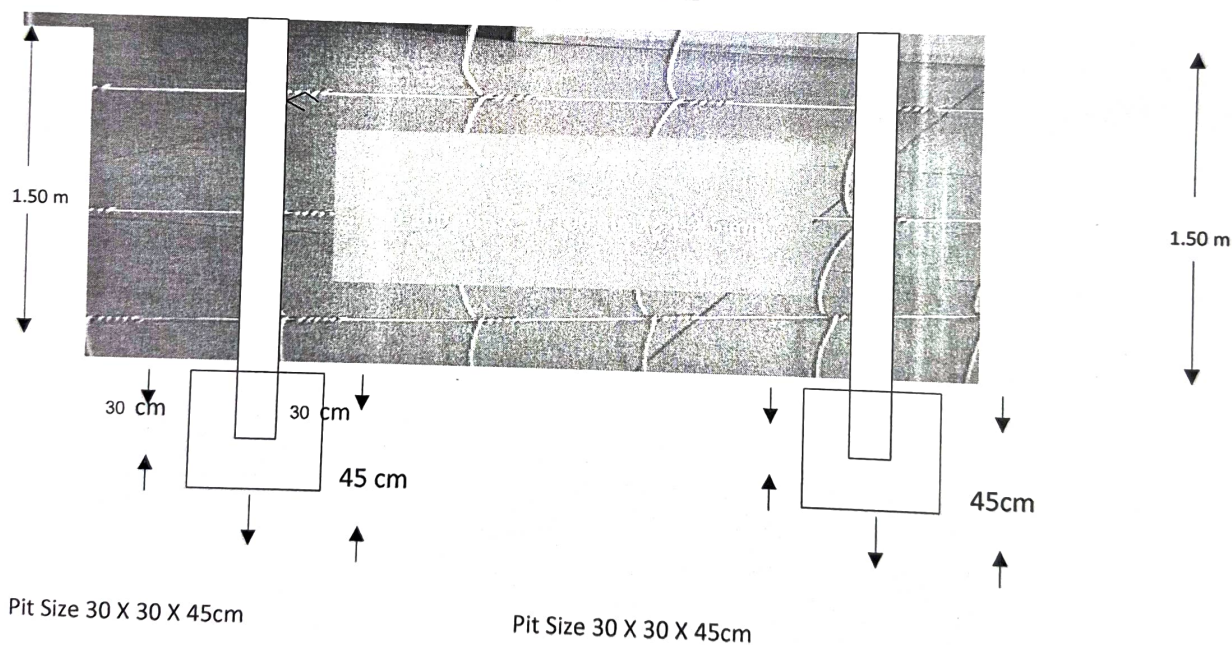
Angle iron post



50 mm X 50mm X 6mm

Length- 1.8 mtr. - (1.50 mtr. above ground +0.30 mtr. embedded in ground)

3.0 to 4.57 meter



Signature valid

Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

शपथ पत्र

व्यक्तिगत कृषक

मैं.....पुत्र/पत्नि श्री/श्रीमति.....

ग्राम.....तहसील.....जिला.....का/की निवासी हूँ तथा

शपथ पूर्वक बयान करता हूँ/करती हूँ कि मेरे द्वारा ग्राम.....खसरा

नम्बर..... जिसमें तारबंदी कार्य किया जा रहा है, पूर्व में तारबंदी पर

अनुदान प्राप्त नहीं किया गया है तथा इस खसरा नम्बर पर कोई विवाद नहीं है।

कृषक हस्ताक्षर

Signature valid

Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

शपथ पत्र

समूह में कृषक / सामुदायिक तारबन्दी

हम शपथ पूर्वक बयान करते हैं कि समूह के किसी भी व्यक्ति द्वारा आवेदित खसरा नम्बर जिसमें तारबन्दी कार्य किया जा रहा है, पूर्व में तारबन्दी पर अनुदान प्राप्त नहीं किया है व कोई विवाद नहीं है। हम सभी कृषक समूह में तारबन्दी के लिए सहमत हैं। समूह में सम्मिलित कृषकों के नाम निम्न प्रकार है :-

क. सं.	कृषक का नाम	पिता/पति का नाम	ग्राम	खसरा नम्बर	मोबाइल नम्बर	हस्ताक्षर

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

Signature valid

Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

घोषणा पत्र

मैं/हम

कृषक.....पुत्र/पति

श्री/श्रीमति.....ग्राम.....तहसील.....

जिला.....के निवासी है तथा मेरे/हमारे द्वारा ग्राम..... के

खसरा नम्बर में विभागीय अनुदान से तारबंदी स्थापित की गयी है।

मैं/हम शपथ पूर्वक बयान करता हूँ/करती हूँ/करते हैं
कि मेरे/हमारे खेत की पेरीफेरी (परिधि) 400 रनिंग मीटर से अधिक होने पर शेष परिधि
में स्वयं के स्तर पर सम्पूर्ण परिधि में तारबंदी कर खेत को सुरक्षित सुनिश्चित
करूंगा/करेंगे।

हस्ताक्षर

कृषक/कृषक समूह

Signature valid

Digitally signed by Narish Kumar
Goyal
Designation : Commissioner
Date: 2026.06.05 20:35:47 IST
Reason: Approved

RajKaj Ref No.:
22618545
M e-Sign

Physical Target of Fencing Programme under NMEO-Os and State Plan/KKK for 2026-27

[illegible]

₹ 3.37 Lacs.	₹ 78,000	₹ 2,48,000	₹ 1,60,400	₹ 15,34,000	₹ 3,88,000	₹ 7,600	₹ 1,13,70,000	₹ 12,00,000	₹ 7,16,000	₹ 11,37,00,000
--------------	----------	------------	------------	-------------	------------	---------	---------------	-------------	------------	----------------

